अनुक्रमणिका

साहित्य रत्न मासिक ई-पत्रिका जनवरी-2026

सम्पादकीय

राम अवतार बैरवा

आलेख-शोधपत्र

1- श्री आनंद दास

कहानी-लघुकथा

1- स्नेहा सिंह

2- सुरक्षा चौहान

3-त्रिपुरारी ऋतुल

4-डॉ. पूरन सिंह

5-डोली शाह

6-रजनी

गीत-ग़ज़ल-कविताएँ

1-सुभाष पाठक 'ज़िया'

2-नवनीत कृष्ण

3-राज जौनपुरी

4-5-आनंद वर्द्धन

दिलीप दर्श

6-7-विजय कनौजिया

अतुल विनोद मीणा

8-पवन कुमार जारेडा

9-10मोहम्मद मुमताज़ हसन

अलका शर्मा

11-हमीद कानपुरी

12-13-डॉ. सरला सिंह स्निग्धा

नन्दिता माजी शर्मा

14-तारकेश्वरी 'सुधि'

15-रीना कुमारी

16-आकिब जावेद

बसंत पंचमी या श्री पंचमी एक हिन्दू त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह पूजा विशेष रूप से भारत, बांग्लादेश, नेपाल और अन्य कई देशों में बड़े उल्लास से मनायी जाती है। इस दिन पीले वस्त्र धारण करते हैं। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है, तो पुराणों-शास्त्रों तथा अनेक काव्यग्रंथों में भी अलग-अलग ढंग से इसका चित्रण मिलता है।

प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बाँटा जाता था उनमें वसंत लोगों का सबसे मनचाहा मौसम था। जब फूलों पर बहार आ जाती, खेतों में सरसों का फूल मानो सोना चमकने लगता, जौ और गेहूँ की बालियाँ खिलने लगतीं, आमों के पेड़ों पर मांजर (बौ.र) आ जाता और हर तरफ रंग-बिरंगी तितलियाँ मँडराने लगतीं। भर-भर भंवरे भंवराने लगते। वसंत ऋतु का स्वागत करने के लिए माघ महीने के पाँचवे दिन एक बड़ा उत्सव मनाया जाता था जिसमें विष्णु और कामदेव की पूजा होती हैं। यह वसंत पंचमी का त्यौहार कहलाता था।

स्रोत-ग़ूगल

साहित्य रत्न को प्राप्त कुछ पुस्तकें

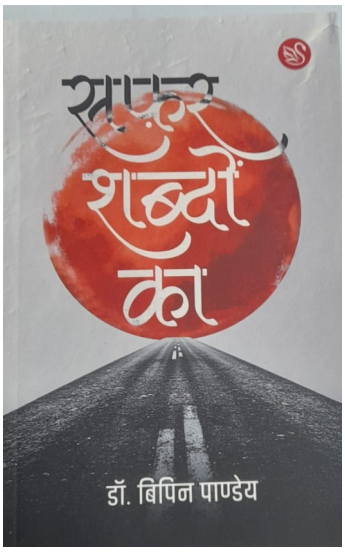

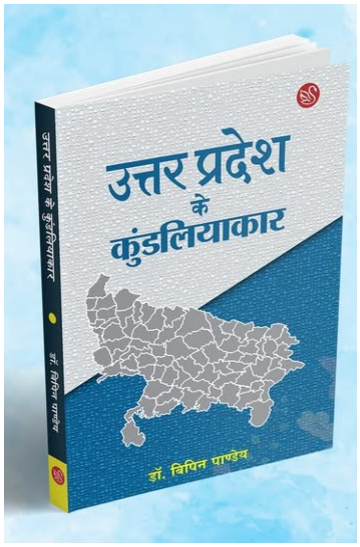

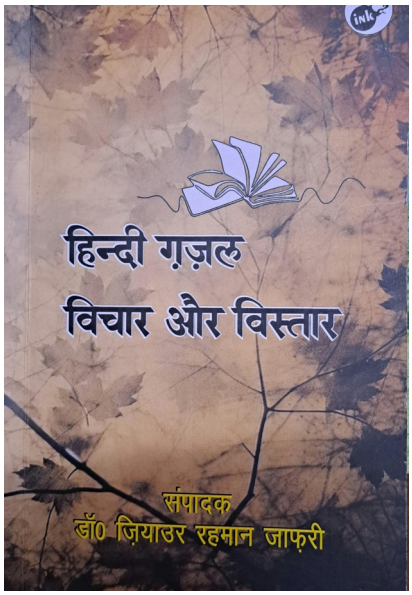

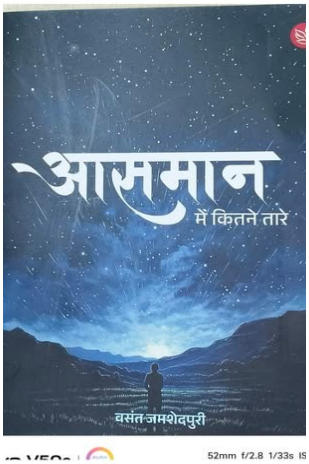

vivo V50e

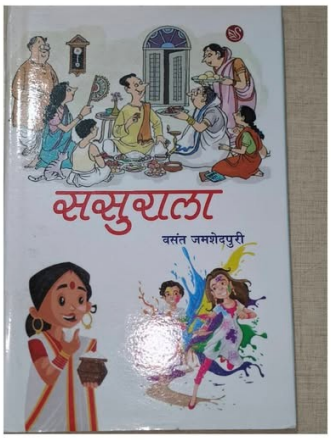

vivo V50e

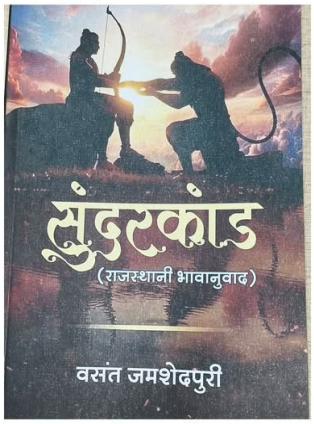

vivo V50e

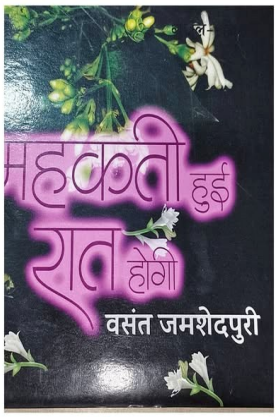

vivo V50e